(iv) *Need to improve the lot of workers engaged in carpet weaving in Bhadoi Mirzapur.*

श्री उमा कान्त मिश्र (मिर्जापुर) : सभापति महोदय, हमारा संसदीय क्षेत्र मिर्जापुर भदोही उत्तर प्रदेश में प्रमुख कालीन उत्पादक क्षेत्र है। कई करोड़ रुपयों का कालीन प्रति वर्ष निर्यात किया जाता है। निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जाती है जिस से निर्यातकर्त्ताओं को पर्याप्त लाभ होता है और वे अल्प समय में ही करोड़पति हो जाते हैं और सारी उत्तम भौतिक सुविधाओं का उपभोग करते हैं किन्तु कालीन को बनाने वाले बुनकर कालीन की सफाई, कढ़ाई रंगाई आदि करने वाले मज़दूर गरीब के गरीब रह जाते हैं। सभी बुनकरों और कालीन मजदूरों का घोर शोषण होता है। उन की न्यूनतम आवश्यकतायें भी नहीं पूरी हो पातीं। अतः केन्द्रीय सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध है कि भदोही मिर्जापुर के कालीन बुनकरों तथा कालीन मजदूरों की मजदूरी की दरों में वृद्धि की जावे तथा इन की वस्तियों में पेयजल, बिजली, सड़क, चिकित्सा आदि की भी सुविधा प्रदान की जावे।

(V) *Need to provide facilities in railway colony at New Katni Junction on Central Railway.*

श्री बाबू राव परांजपे (जबलपुर) : सभापति महोदय, मध्य रेलवे पर नई कटनी जंकशन के विस्तार का प्रारम्भ 1957 में हुआ। 1962 में डीजल शैड का निर्माण प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में 5000 कर्मचारी कार्यरत हैं। इन में से 1355 अर्थात 27 प्रतिशत के पास विभागीय क्वार्टर हैं।

रेलवे विद्यालय में कक्षा पहली से ग्यारहवीं तक छात्रों की संख्या 1200 है विषयानुसार शिक्षकों का, लैक्चरार्स का, प्रिंसीपल का अभाव है। सैक्शन अधिक और कमरे कम हैं। प्रयोगशाला नाममात्र है।

रेलवे अस्पताल में सर्जन हैं परन्तु आपरेशन जबलपुर में होते हैं। रक्तचाप, हृदयरोग, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक नहीं हैं। श्रमिकों के लिए दवा का अभाव है।

आवासों में विद्युत व्यवस्था नहीं है। वायरिंग पुरातन है। 233 क्वार्टरों में पंखे नहीं हैं। मार्गों पर अन्धकार के कारण चोरियां अधिक होती हैं। पेय जल अपर्याप्त है क्योंकि रेलवे के पास स्वयं की व्यवस्था नहीं है। अपराधों की रोकथाम के लिये पुलिस व्यवस्था का अभाव है। रेलवे कालोनी में सड़कों की दुरावस्था है।

अतः मन्त्री जी से अनुरोध है कि—

1. रेलवे विद्यालय में विषयानुसार आवश्यक शिक्षक, कमरों तथा प्रयोग शाला का प्रबन्ध किया जाय।

2. रेलवे चिकित्सालय में विशेषज्ञों की नियुक्ति, आपरेशनों का प्रबन्ध पर्याप्त मात्रा में दवाइयों का प्रबन्ध किया जाए।

3. विद्युत व्यवस्था में सुधार तथा पंखे लगाना।

4. स्वतंत्र पेयजल की व्यवस्था।

5. पुलिस चौकी का निर्माण।

(श्री बाबू राव परांजपे)

6. सड़कों में आवश्यक सुधार तथा निर्माण ।

7. रेलवे कालोनी में सीढ़ीदार पुल के स्थान पर ढलवां पुल का निर्माण ।

8. एक पुल स्टीम शेड से, यार्ड से होते हुए डीजल रोड न्यू लाइन के ऊपर से निर्माण कराया जाय, तथा दूसरा पुल न्यू यार्ड से कैरेज एण्ड वैगन पुराना सिक लाइन तक बनाया जाए ।

अत: रेल मंत्री जी से अनुरोध है कि यह कार्य अविलम्ब सम्पन्न करावें । इससे वहां के लोगों को सुविधा होगी ।

(vi) *Need to extend the measures taken by Port Commissioners for Western side to check erosion and to save villagers of Kakdwip on Eastern side of the river Muriganga*

SHRI NIRMAL SINHA (Mathurapur) : Mr. Chairman, Sir, near the Bay of Bengal the river Hoogly is bifurcated into two streams, the eastern one is called the Muriganga river flowing along side Kakdwip, Sagar and Namkhana Police Stations in 24 Parganas of West Bengal and falls in the Bay. This river is very broad, deep and bears under current. Now the mouzas Sibkalinagar, Lokshmipur, Madhusudanpur Uttar Chandrapur and Kalinagar of Kakdwip P.S. Choramara island of Sagar P.S. and the Western part of Mausuni island being by the side of this river are prone to severe erosion due to its powerful current. The Lohachara island of Sagar P.S. has been so badly eroded by the tremendous current of down Hoogly river that all the inhabitants had to be shifted elsewhere for safety. Gobardhanpur, Sitarampur, Buraburirtat etc. of Patharpritima P.S. are the victims of the furies of several other rivers of Sunderban All the semouzas of Sunderban Region are densely populated and their fertilse lands produce various types of crops. The mouzas of Kakdwip P.S. are just opposite the Haldia port. Though the port Commissioners are trying to reverberate the erosive functions of the current near Haldia by adopting Porcupine Process, yet their activities are confined to the western side of the river only, the eastern side mouzas of Subderban region are in great peril.

Under these aircumstances, I urge upon the Government of India to save the mouzas of Kakdwip P.S. on eastern bank of the river by extending the activities of Port commissioners and also save the areas mentioned above by adopting immediately necessary measures to check erosion and reverberate the erosive effects of the current of the rivers concerned.

(vii) *Need to solve the problem of acute water searcity in Danapur Cantt. and some areas of Patna.*

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : गर्मी का मौसम शुरू होते ही दानापुर छावनी बोर्ड एवं पटना नगर के दर्जनों मोहल्लों में पेयजल का अकाल पैदा हो गया है । नहाने धोने की बात तो दूर रही लोगों को पीने का जल भी नहीं मिल रहा है । सर्वत्र लोगों में हाहाकार है ।

दानापुर छावनी बोर्ड का प्रबन्ध भारत सरकार के अधीन है । फिर भी वहां के निवासियों को पिछले कई वर्षों से समय - समय पर और खास कर गर्मी के दिनों में पानी की कमी का सामना करना पड़ता है । विभिन्न तरीकों से मैंने दानापुर में पेयजल की कमी का सवाल उठाया है । सरकार ने कुछ माह पूर्व पानी की व्यवस्था करने के लिए छावनी बोर्ड को पौने तीन लाख रुपए की सहायता भी भेजी । परन्तु दुःख है कि पेयजल की व्यवस्था अब तक नहीं की जा सकी है ।

दानापुर छावनी बोर्ड के अन्तर्गत एक बड़ी टंकी एक लम्बे अर्से से बन कर तैयार है । परन्तु